

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : दिसम्बर 2009

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

नोट :- कुल पांच प्रश्नों का उत्तर दें। हर एक भाग में से अनिवार्य प्रश्नों के अलावा कम से कम एक प्रश्न का उत्तर देते हुए शेष तीन प्रश्नों का उत्तर दें। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य है। सब प्रश्नों का अंक समान है। भाग एक का उत्तर जैमिनीय आधार पर एवं भाग दो पराशरी सिद्धांत के अनुसार उत्तर देना है।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. निम्न जातक की चर दशा की गणना करें व उसके कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
जन्म 26.9.1932, झेलम (पाकिस्तान) 14:00, दशा शेष: बुध 13व 6मा 5दि, पुरुष
लग्न - धनु 23:52, सूर्य - कन्या 6:08, चन्द्र - कर्क 19:24, मंगल - कर्क 10:26, बुध कन्या 7:40, गुरु - सिंह 17:00, शुक्र - कर्क 25:08, शनि (व) मकर 05:13, राहु कुंभ 24:08 केतु सिंह 24:08
2. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
क. अर्गला का सिद्धान्त
ख. त्रिकोण दोष का नियम
ग. आरुढ़ लग्न का फलादेश में प्रयोग
3. कारकांश की परिभाषा दें। प्र. 1 में दिए जातक की शिक्षा क्षेत्र की उपलब्धि पर प्रकाश डालें तथा बताएं कि क्या जातक ने देश में या विदेश में या देश व विदेश दोनों में शिक्षा पाई?
4. प्रश्न 1 के जातक के लिए उपपद का प्रयोग करते हुए उनके पारिवारिक जीवन पर प्रकाश डालें।
5. जैमिनी के आयुर्दाय निर्धारण के नियमों की चर्चा करें तथा निम्न जातक की आयु का निर्धारण करें।
जन्म : 14/15.11.1935, 4:30 प्रातः, तंजौर, पुरुष, दशा शेष : गुरु 11व. 3 मा. 3 दि.
लग्न - तुला 4:10, सूर्य - तुला 28:41, चन्द्र - मिथुन 23:57, मंगल - धनु 19:57, बुध - तुला 14:26, गुरु - वृश्चिक 08:19, शुक्र - कन्या 12:03, शनि - कुंभ 10:34, राहु - धनु 21:02, केतु मिथुन 21:02

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-
i) मेलापक में दोष सम्य की गणना (दोषों को निष्प्रभाव करना)
ii) कन्या व वर का एक ही नक्षत्र
iii) कन्या के नक्षत्र से वर के 22 वें नक्षत्र के मिलान का अपवाद
iv) विष कन्या योग
v) कूट मिलान की महत्ता

7. वैवाहिक मतभेद के क्या कारण होते हैं? क्या ऐसे योग निम्न कुण्डली में उपलब्ध है? चर्चा करें।

जन्म 23.2.1975, 18:35 घण्टे, दिल्ली, पुरुष, दशा शेष : शनि 16व5मा1दि
लग्न - सिंह 15:35, सूर्य - कुंभ 10:46, चन्द्र - कर्क 05:09, मंगल - मकर
00:43, बुध - मक 16:50, गुरु - मीन 0:56, शुक्र - मीन 6:39,
शनि - मिथुन 18:44, राहु - वृश्चिक 12:19, केतु - वृषभ 12:19

8. विवाह काल की गणना की पद्धति पर प्रकाश डालें। अपने उत्तर में निम्न पुरुष व महिला की कुण्डली का प्रयोग करें।

लग्न/ग्रह पुरुष	राशि	अंश	कला	लग्न/ग्रह महिला	राशि	अंश	कला
लग्न	कन्या	26	22	लग्न	सिंह	17	04
सूर्य	वृषभ	03	19	सूर्य	कर्क	19	28
चन्द्र	कर्क	18	04	चन्द्र	मिथुन	11	24
मंगल	वृषभ	07	29	मंगल	कर्क	01	27
बुध (व)	मेष	24	33	बुध	सिंह	13	24
गुरु (व)	वृश्चिक	13	38	गुरु	वृश्चिक	07	32
शुक्र	मिथुन	16	23	शुक्र (व)	सिंह	15	46
शनि (व)	तुला	05	35	शनि	तुला	05	07
राहु	मिथुन	01	44	राहु	मिथुन	00	28
पुरुष - जन्म 18.5.1983, 16:00 बजे, दिल्ली, बुध - 15 व 2 मा 20 दि				महिला - जन्म 6.08.1983, 07:57, दिल्ली, राहु - 11 व 7 मा 15 दि			

9. बताएं कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य?

- यदि सप्तमेश बली है व सप्तम भाव पर शुभ प्रभाव हैं तो विवाह होगा।
- यदि बृहस्पति अपने मित्र नवांश में है तो विवाह होगा।
- यदि द्वितीयेश और सप्तमेश प्रथम, चतुर्थ या पंचम में से किसी एक भाव में हो तो विवाह निश्चित ही होगा।
- बृहस्पति या बुध यदि मंगल या सूर्य के नवांश में हो तो विवाह होता है।
- चन्द्रमा या शुक्र या दोनो यदि सप्तम भाव में हो तो विवाह होता है।
- यदि शुक्र लग्न में व लग्नेश सप्तम में हो तो विवाह होता है।
- द्वितीयेश व आयेश यदि परिवर्तन में हो तो विवाह होता है।
- यदि शुक्र उच्च का व सप्तमेश शुभ स्थान में हो तो विवाह अवश्य होता है।
- यदि लग्नेश व सप्तमेश में परिवर्तन हो तो विवाह होता है।
- सप्तमेश व अष्टमेश में परिवर्तन की स्थिति में विवाह में विलम्ब होता है।

10. क. विवाह विलम्ब के पांच योग बताएं।

ख. शीघ्र विवाह के पांच योग बताएं।